प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

12वीं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

पंतनगर। 29 जून 2024। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय की 12वीं प्रसार सलाहकार समिति की दो–दिवसीय बैठक का आज कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, लोहाघाट (चम्पावत) में सम्पन्न हुई।

कुलपति डा. चौहान ने आम को खराब होने से बचाने एवं लम्बे समय तक भण्डारण करने हेतु वैज्ञानिकों को तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छोटे–छोटे नवाचार करने की आवश्यकता है जिससे किसान उनको अपनाकर अपनी आमदनी में वृद्धि कर सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक विभिन्न फसलों के लिए, विभिन्न जलवायु एवं वातावरण परिवर्तन के लिए निदेशक शोध के समक्ष पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज की मांग को प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में चल रहे शोध एवं प्रशिक्षण की मुख्य धारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि किसानों के पास जो परम्परागत ज्ञान है उसको भी उपयोग किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी सब्जी एवं फल उत्पादन में कीटनाशी रसायनों का प्रयोग कम से कम किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्य करने वाले वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। कुलपति द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र लोहाघाट पर संरक्षित खेती के अन्तर्गत लगे टमाटर, शिमला मिर्च, खीरा, स्ट्रॉबेरी आदि फसलों का भी अवलोकन किया। विशिष्ट अतिथि कमांडिंग ऑफिसर श्री रावत ने कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान को सम्मानित किया। निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकें किसानों द्वारा अपनायी जा सकती है।

इस अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा, निदेशक, उत्तराखण्ड जैवप्रौद्योगिकी, हल्दी डा. संजय कुमार; अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन डा. एस.पी. सिंह; अधिष्ठाता प्रौद्योगिक डा. अलखनन्दा अशोक; अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी डा. संदीप अरोरा; अधिष्ठाता मत्स्य डा. अवधेश कुमार; निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल; मुख्य महाप्रबंधक फार्म डा. जयंत सिंह; संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डा. संजय चौधरी, संयुक्त निदेशक डा. सुभाष चन्द्र, अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान की प्रतिनिधि के रूप में डा. अदीति वत्स; अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन के प्रतिनिधि के रूप में डा. स्नेहा दोहरे; 9 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी वैज्ञानिक तथा प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे।

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, लोहाघाट पर संरक्षित खेती का अवलोकन करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार